प्रभु हम पे कृपा करना

प्रभु हम पे कृपा करना,
प्रभु हम पे दया करना ।
बैकुंठ तो यही है, हृदय में रहा करना ॥

गूंजेगे राग बन कर वीणा की तार बनके,
प्रगटोगे नाथ मेरे हृदय में प्यार बनके ।
हर रागिनी की धुन पर स्वर बन कर उठा करना,
बैकुंठ तो यही है, हृदय में रहा करना ॥

नाचेंगे मोर बनकर हे श्याम तेरे द्वारे,
घनश्याम छाए रहना बनकर के मेघ कारे ।
अमृत की धार बनकर प्यासों पे दया करना,
बैकुंठ तो यही है, हृदय में रहा करना ॥

तेरे वियोग में हम, दिन रात हैं उदासी,
अपनी शरण में लेलो हे नाथ ब्रज के वासी ।
तुम सो हम शब्द बन कर प्राणों में रमा करना,
बैकुंठ तो यही है, हृदय में रहा करना ॥

स्वर : हरी ॐ शरण

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1781/title/prabhu-hum-pe-kripa-karna-prabhu-hum-pe-daya-karna

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |